

पात्र का मुँह दूसरी ओर करके अन्य पात्र से गोपनीय बात करना।

अपवाह पुं. (तत्.) 1. बहा ले जाना; दूर ले जाना, जल का निकास drainage 2. किसी स्थल से हटाकर अन्यत्र ले जाया जाना, विस्थापन। drift

अपवाहक वि. (तत्.) [अप+वाहक] 1. किसी वस्तु आदि को ढोने या ले जाने वाला 2. गलत स्थान पर पहुँचाने वाला पुं 3. किसी वस्तु को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने का साधन या यंत्र।

अपवाहन पुं. (तत्.) अपवहन करना।

अपवाह तंत्र पुं. (तत्.) नदियों अथवा जल के निकास की वह व्यवस्था जो किसी स्थान के संपूर्ण जल को बहा कर ले जाती है drainage system

अपवाह पाइप पुं. (तत्.) अवांछित या गंदे जल की निकासी के लिए लगाया गया पाइप drain pipe

अपवाहिका स्त्री. (तत्.) जन या गंदगी बहा ले जाने वाली नाली।

अपवाहित वि. (तत्.) [अप+वाहित] 1. जिसका अपवहन किया गया हो 2. अनजाने किसी अनुचित स्थान पर पहुँचा या पहुँचाया गया। 3. स्थानांतरित।

अपविकास पुं. (तत्.) शारीरिक वृद्धि में कमी या असंतुलन।

अपवित्र पुं. (तत्.) 1. जो पवित्र न हो, अशुद्ध, नापाक 2. मैला, मलिन।

अपवित्रता स्त्री. (तत्.) 1. अशुद्धि 2. मलिनता; विलो. पवित्रता।

अपविद्या स्त्री. (तत्.) कुविद्या, अविद्या।

अपविद्ध वि. (तत्.) वह शिशु जिसे उसके माता-पिता ने जन्मते ही त्याग दिया हो पुं. अज्ञात माता-पिता द्वारा त्यक्त शिशु। foundling

अपविन्यस्त श्रेणी स्त्री. (तत्.) वह श्रेणी series जो किसी श्रेणी से पदों के क्रम को बदल देने पर प्राप्त होती है deranged series

अपविन्यास पुं. (तत्.) 1. अव्यवस्थित क्रम में रखना या होना 2. मानसिक संभ्रम की स्थिति 3. सदसद्विवेक का लोप। disorientation

अपवृक्कता स्त्री. (तत्.) [अप+वृक्क+ता प्रत्यय] 1. वृक्क (गुर्दे) से संबंधित कोई बीमारी 2. गुर्दे में कोई विकार/गुर्दे की खराबी।

अपवृद्धि स्त्री. (तत्.) 1. जीव. किसी वनस्पति या प्राणी के किसी अंग के स्थान विशेष में हुई असामान्य वृद्धि excrescence 2. आवश्यकता से अधिक एवं हानिकर वृद्धि।

अपवृद्धि स्त्री. (तत्.) [अप+वृद्धि] चिकि. 1. शरीर में होने वाली विकारजन्य वृद्धि जैसे- मस्से का होना, किसी गाँठ का बनना आदि।

अपवेशन पुं. (तत्.) 1. बैठना 2. किसी कार्य में संलग्न होना 3. जम जाना।

अपव्यय स्त्री. (तत्.) फिजूलखर्ची, निरर्थक खर्च, अधिक व्यय।

अपव्ययी वि. (तत्.) 1. अधिक या गलत ढंग से खर्च करनेवाला, फिजूलखर्च।

अपव्यवहार पुं. (तत्.) [अप+व्यवहार] 1. किसी के साथ गलत ढंग का व्यवहार 2. निकृष्ट आचरण/बुरा बर्ताव 3. अमर्यादित व्यवहार।

अपशकुन पुं. (तत्.) अशुभ शकुन, असगुन, अशुभ लक्षण विलो. शकुन।

अपशब्द पुं. (तत्.) 1. गाली, अपशिष्ट शब्द 2. अशुद्ध शब्द।

अपशल्कन पुं. (तत्.) [अप+शल्कन] प्राणि. 1. शरीर में किसी कमी या विकृति के कारण मृत ऊतक, त्वचा या अस्थि की परतों का पृथक्करण/अलग होना 2. अपपत्रण।

अपशिष्ट वि. (तत्.) [अप+शिष्ट] 1. वह अपशिष्ट पदार्थ जो किसी वस्तु के उपयोग के पश्चात् प्रायः त्याज्य होता है 2. बचा हुआ अनुपयोगी पदार्थ।